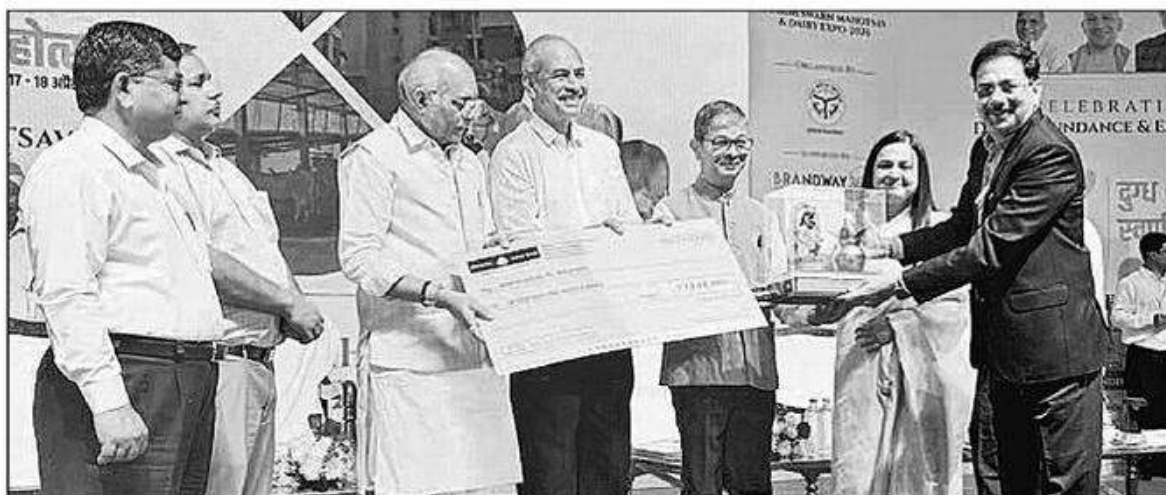


दुग्धशाला विकास विभाग की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजन प्रदेश के डेयरी क्षेत्र में पांच हजार करोड़ का निवेश करने को समझौते

दुग्ध महोत्सव

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। यूपी में डेयरी क्षेत्र में 5000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इससे प्रदेश में 13000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। दुग्धशाला विकास विभाग की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय दुग्ध स्वर्ण महोत्सव 2026 में ये एमओयू हुए।

इसके तहत डेयरी प्लांट, मिलक चिलिंग सेंटर, कैटल फीड प्लांट, मिलक टैंकर, कोल्ड चैन तथा दुग्धशाला के बाहर तकनीकी उन्नयन जैसे क्षेत्रों में काम होगा। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि डेयरी क्षेत्र यूपी की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह क्षेत्र न केवल रोजगार सृजन का प्रमुख साधन है, बल्कि राज्य के सकल मूल्यवर्धन में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस क्षेत्र का राज्य के सकल मूल्यवर्धन में 1.72 लाख करोड़ रुपये का योगदान रहा है। अब तक विभाग द्वारा दुग्ध विकास क्षेत्र में कुल 25,000 करोड़ रुपये से



पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को दुग्ध महोत्सव के दौरान इस क्षेत्र में बेहतर काम करने वालों को सम्मानित किया। इस दौरान सीएम के आर्थिक सलाहकार डॉ. केवी राजू, एसीएस मुकेश मेश्राम, आयुक्त के धनलक्ष्मी मौजूद रहे।

दुग्ध उत्पादक, निवेशक ले रहे हिस्सा

महोत्सव में प्रदेश के लगभग 10 हजार दुग्ध उत्पादकों के साथ बड़ी संख्या में निवेशक भी भाग ले रहे हैं। देश-विदेश के उद्यमियों को जोड़कर विभिन्न योजनाओं, नवीनतम प्रौद्योगिकी, स्वदेशी नस्ल के गौ-पालन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण पर विचार विमर्श किया जा रहा है।

पशुपालकों को पुरस्कृत किया गया

महोत्सव के पहले दिन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत उत्कृष्ट उपलब्धि अर्जित करने वाले पशुपालकों एवं उद्यमियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही सभी जिलों के विकासखण्ड स्तर पर चयनित 139 लाभार्थियों को वर्ष 2024-25 के नन्द बाबा पुरस्कार की धनराशि हस्तान्तरित की गई।

अधिक के कुल 796 एमओयू किए जा चुके हैं, जिसके माध्यम से 60,000 से अधिक रोजगार मिलेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर

अर्थव्यवस्था बनाने में दुग्ध विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उमुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार केवी राजू ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा

बढ़ती आबादी के पोषण के लिए पौष्टिक एवं उत्तम खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए रोजगार के अवसरों में निरन्तर वृद्धि की जा रही है।